ECHO OF HIS CALL

बुलावे की प्रतिध्वनि

HINDI

India's National Spiritual Newspaper

₹ 10/-

ESTD: 1969

Published monthly in ENGLISH, TAMIL, MALAYALAM, TELUGU, HINDI, KANNADA, MARATHI, BENGALI, GUJARATI, ODIYA, ASSAMESE, PUNJABI, NEPALI, URDU, SINHALA & AFRIKAANS

Editor : S. SAM SELVA RAJ | 16 Languages | Associate Editor : Dorathy S. Thomas

VOL. XXIV | YEAR OF OUR LORD JESUS CHRIST, 2018 NOVEMBER | No. 3

पवित्र बाइबल!

इन वचनों को याद करें
परमेश्वर की स्तुति हो
भजनसंहिता १६:१-८

१ हे ईश्वर मेरी रक्षा कर, क्योंकि मैं तेरा
ही शरणागत हूं। मैंने परमेश्वर से कहा
है, कि तू ही मेरा प्रभु है; तेरे सिवाए
मेरी भलाई कहीं नहीं।
२ पृथ्वी पर जो पवित्र लोग हैं, वे ही आदर
के योग्य हैं, और उन्हीं से मैं प्रसन्न रहता
हूं।
३ जो पराए देवता के पीछे भागते हैं उनका
दुःख बढ़ जाएगा; मैं उनके लोहूवाले तपावन
नहीं तपाऊंगा और उनका नाम अपने
ओठों से नहीं लूंगा।
४ यहोवा मेरा भाग और मेरे कटोरे का
हिस्सा है; मेरे बांट को तू स्थिर रखता है।
५ मेरे लिये माप की डोरी मनभावने स्थान में
पड़ी, और मेरा भाग मनभावना है।
७ मैं यहोवा को धन्य कहता हूं, क्योंकि
उसने मुझे सम्मति दी है; वरन् मेरा मन
भी रात में मुझे शिक्षा देता है।
८ मैंने यहोवा को निरन्तर अपने सम्मुख
रखा है: इसलिये कि वह मेरे दाहिने हाथ
रहता है मैं कभी न डगमगाऊंगा।

आत्मिक बल का रहस्य!

"हे भाइयो, हम अपने प्रभु यीशु मसीह के आने, और उसके पास अपने इकट्ठे होने के विषय में तुमसे बिनती करते हैं, कि किसी आत्मा, या वचन, या पत्री के द्वारा जो कि मानो हमारी ओर से हो, यह समझकर कि प्रभु का दिन आ पहुंचा है, तुम्हारा मन अचानक अस्थिर न हो जाए, और न तुम घबराओ।

"किसी रीति से किसी के धोखे में न आना, क्योंकि वह दिन न आएगा, जब तक धर्म का त्याग न हो ले, और वह पाप का पुरुष अर्थात् विनाश का पुत्र प्रकट न हो" (२ थिस्सलुनीकियों २:१-३)।

कुछ ईश्वरविज्ञानियों का मानना है कि पौलुस ने यहां पर जिस प्रभु के दिन का उल्लेख किया, वह अंतिम न्याय है। परंतु मैं अधिकतर विद्वानों के साथ यह विश्वास करता हूं कि पौलुस मसीह के दूसरे आगमन के विषय में बोल रहा है। और पौलुस कहता है कि जब तक दो बातें नहीं होती, तब तक यीशु मसीह का आना नहीं होगा :

१. बड़ा धर्मत्याग का समय होगा। कई लोग, जो पहले परमेश्वर को जानते थे वे ज्ञात सुसमाचार के सत्य से दूर हो जाएंगे।

२. ख्रीष्ट विरोधी या पाप का पुरुष "प्रकट" होगा। यीशु के प्रत्येक प्रेमी के सामने यह स्पष्ट होना चाहिए कि "धर्मत्याग" पहले से हो रहा है। आज कई विश्वासी, उसी तरह पिछले कई दशकों के मसीही परमेश्वर के प्रति उनके प्रेम में ठंडे पड़ गए हैं। इस बात को ध्यान में रखते हुए, मैं पौलुस की दूसरी बात पर ध्यान केन्द्रित करना चाहूंगा - कि प्रभु का दिन तब तक नहीं आएगा जब तक कि वह **"पाप का पुरुष प्रकट नहीं होगा।"**

इस वाक्य से पौलुस निश्चित रूप से क्या कहना चाहता है? क्या वह कह रहा है कि प्रभु यीशु तब तक वापस नहीं जाएगा जब तक विश्व अधिकारी के रूप में ख्रीष्ट विरोधी सिंहासन पर विराजमान नहीं होगा, और हम सभी उसकी पहचान जानते हैं? मुझे नहीं लगता। पौलुस जानता था कि मसीह किसी भी क्षण वापस आएगा। स्वयं प्रभु यीशु मसीह कहता है कि वह ऐसे समय आएगा जिसकी किसी ने अपेक्षा नहीं की, पलक झपकते ही।

मेरा विश्वास है कि "प्रकट होगा" इस शब्द के पौलुस के अर्थ की कुंजी पता करें। यहां पर ग्रीक अर्थ है "उजागर होगा।" मेरा मानना है कि पौलुस कह रहा है, "प्रभु यीशु तब तक नहीं आएगा जब तक ख्रीष्ट विरोधी की पूर्ण योजना और कार्यसूची प्रकट नहीं होगी और कलीसिया को उस विषय में सचेत किया गया है।"

...क्रमशः पृष्ठ ३...

Touching Lives By Teaching... Since 1969

बुलावे की प्रतिध्वनि

(ENGLISH, TAMIL, MALAYALAM, TELUGU, HINDI, MARATHI, KANNADA, BENGALI, GUJARATI, NEPALI, ODIYA, ASSAMESE, PUNJABI, URDU, SINHALA & AFRIKAANS MONTHLY MAGAZINE)

"क्योंकि वह दिन अर्थात् यहोवा का दिन निकट है; वह बादलों का दिन, और जातियों के दण्ड का समय होगा" (यहेजकेल ३०:३)

प्रिय मित्रों,

जगत के उद्धारकर्ता यीशु मसीह के अतुल्य नाम में हम आपका प्रेमपूर्ण अभिवादन करते हैं।

हम जानते हैं कि आप में से कई उत्सुकता के साथ इस मासिक पत्रिका का इंतज़ार करते हैं। हम यह भी जानते हैं कि इस पत्रिका के द्वारा आपको पूरे महीने के लिए आत्मिक मन्ना मिलता है। जब हमें अंग्रेजी, तमिल, मलयालम, तेलुगू, हिंदी, कन्नड, मराठी, आसामी, बंगाली, उर्दू, गुजराथी, नेपाली, उड़ीया, पंजाबी, सिंहला और आफ्रीकान भाषा बोलने वाले लोगों के फोन, एसएमएस संदेश और ई-मेल पत्र प्राप्त होते हैं जो कहते हैं कि उन्होंने आत्मिक तौर पर आशीष पाई, तो हम समझते हैं कि हमारी मासिक पत्रिका इन सभी लोगों के लिए आत्मिक रीति से अत्यंत उपयोगी है। इसलिए रात और दिन अत्यंत कठिन परिश्रम करने के बावजूद, हमारी आर्थिक स्थिति, बीमारी में आत्मिक लड़ाई, सेवकों का अभाव और सामाजिक तथा राजनीतिक तौर पर प्रतिकूल परिस्थितियों के बावजूद हम निराश नहीं होते।

यह जानकर हमें दुःख होता है कि परमेश्वर के कई बच्चे प्रभु की सेवकाई में दिलचस्पी नहीं दिखाते या शामिल नहीं होते, क्योंकि वे दुनियावी तरक्की, संसारिक खुशी और आमोद-प्रमोद और पारिवारिक उत्सव में शामिल होते हैं। परंतु पिछले पचास वर्षों से हम बिना विश्राम किए हमारे परिश्रम के फल हम देख पा रहे हैं। हम कभी गैरज़िम्मेदार नहीं रहे और हमने कभी प्रभु की आवाज़ या प्रभु की इच्छा की उपेक्षा नहीं की जबकि हाल ही के समय के नियम और कानून हमें लोगों के सामने सत्य प्रकट करने में रुकावट लाते हैं; फिर भी हम आगे बढ़ते हैं!

संसार के कई राष्ट्रों ने विशिष्ट जीवनशैली को मान्य करना और उन पर चलना आरंभ किया है जिसे पवित्र बाइबल में मान्यता नहीं है। जब बाइबल "समलिंगी समागम" को परमेश्वर के सामने घृणित मानती है, तो ऐसी प्रथाओं को जिनके विषय में प्रकट रूप से चर्चा नहीं की जा सकती, कई राष्ट्रों ने मान्य किया है जिनमें हमारा देश भारत भी शामिल है। विवाह बाह्य यौन सम्बंध अपराध नहीं है इस हाल ही में सुनाए गए इस फैसले से भारत के परमेश्वर के लोगों को अत्यंत दुख होता है।

यह अच्छा है कि आज के पासबान और कलीसियाएं इन समस्याओं की चर्चा में शामिल नहीं होते, परंतु उन्हें अनदेखा करते हैं, इन फैसले को कोई महत्व नहीं देते। हमें ऐसे विषयों की चर्चा करके परमेश्वर के लोगों के मध्य उनका विज्ञापन नहीं करना चाहिए। आज की परिस्थितियों में यह परमेश्वर के लोगों का कर्तव्य है। परमेश्वर इन परिस्थितियों को बदलेगा। तमिल में एक कहावत है : 'सीखें और डकैती को भूल जाएं।' परंतु हम १ कुरिन्थियों २:२ में पढ़ते हैं, "क्योंकि मैंने यह ठान लिया था कि, तुम्हारे बीच यीशु मसीह, वरन् क्रूस पर चढ़ाए हुए मसीह को छोड़ और किसी बात को न जानूं।" परंतु हम १ कुरिन्थियों १०:१-१२ में पढ़ते हैं, "हे भाइयो, मैं नहीं चाहता कि तुम इस बात से अज्ञात रहो, कि हमारे सब बापदादे बादल के नीचे थे, और सब के सब समुद्र के बीच

CHIEF EDITORS
Pastor S. Sam Selva Raj
Angeline Selvakumari Henry, M.A., M.Ed.
MANAGING EDITOR
Pastor Alex Samson Sam, B.Th., M.Div.
ADMINISTRATION
Bro. N. Prakasam, M.A., General Manager
EDITORIAL BOARD
Sis. Jesy Veena Sam
Bro. M. Paulraj, M.A., B.Ed.
Sis. Serena Bevin, M.A., M. Phil., B.Ed.
Bro. J. R. Jayabalan
ADVISORY BOARD
Bro. N. Balaji, B.Com., B.L.
Dr. S. Rabinder Boaz, M.S.
Er. C.G.S. Baburao, B.Tech., M.Tech. (DM)
Dr. D. Dhaya Devadas
Bro. Jose Abraham
Bro. K. Puratchivendan, M.Com., B.L.
Bro. Thomas T. Jacob, B.Com., B.L.
PUBLISHER & PRINTER
Pastor S. SAM SELVA RAJ
Echo of His Call Printers
10, Mohammed Abdullah 2nd Street,
Chepauk, Chennai- 600 005, India.
Phone : (+91-44) 2852 8282
2852 9293, 2854 7766
Email : sam@echoofhiscall.org
biblecor@yahoo.co.in
Websites :
www.echoofhiscall.org
www.echoofhiscall.com

से पार हो गए। और सब ने बादल में, और समुद्र में, मूसा का बपतिस्मा लिया। और सब ने एक ही आत्मिक भोजन किया। और सब ने एक ही आत्मिक जल पीया, क्योंकि वे उस आत्मिक चट्टान से पीते थे, जो उनके साथ-साथ चलती थी; और वह चट्टान मसीह था। परंतु परमेश्वर उनमें के बहुतेरों से प्रसन्न न हुआ, इसलिए वे जंगल में ढेर हो गए। ये बातें हमारे लिए दृष्टान्त ठहरीं, कि जैसे उन्होंने लालच किया, वैसे हम बुरी वस्तुओं का लालच न करें। और न तुम मूरत पूजनेवाले बनो, जैसे कि उनमें से कई बन गए थे, और न हम व्यभिचार करें; जैसा उनमें से कितनों ने किया; और एक दिन में तेईस हज़ार मर गए। और न हम प्रभु को परखें; जैसा उनमें से कितनों ने किया, और सांपों के द्वारा नाश किए गए। और न तुम कुड़कुड़ाओ, जिस रीति से उनमें से कितने कुडकुड़ाए, और परंतु ये सब बातें, जो उन पर पड़ी, दृष्टान्त की रीति पर थी; और वे हमारी चेतावनी के लिए जो जगत के अन्तिम समय में रहते हैं, लिखी गईं हैं। इसलिए जो समझता है कि मै स्थिर हूं, वह चौकस रहे कि कहीं गिर न पड़े।"

इफिसियों ५:३-८ में भी हम पढ़ते हैं, "और जैसा पवित्र लोगों के योग्य है, वैसा तुम में व्यभिचार, और किसी प्रकार के अशुद्ध काम, या लोभ की चर्चा तक न हो। और न निर्लज्जता, न मूढ़ता की बातचीत की, न ठट्ठे की, क्योंकि ये बाते सोहती नहीं, वरन् धन्यवाद ही सुना जाए। क्योंकि तुम यह जानते हो, कि किसी व्यभिचारी, या अशुद्ध जन, या लोभी मनुष्य की, जो मूरत पूजनेवाले के बराबर है, मसीह और परमेश्वर के राज्य में मीरास नहीं। कोई तुम्हें व्यर्थ बातों से धोखा न दे; क्योंकि इन ही कामों के कारण परमेश्वर का क्रोध आज्ञा न माननेवालों पर भड़कता है। इसलिए तुम उनके सहभागी न हो। क्योंकि तुम तो पहले अन्धकार थे, परंतु अब प्रभु में ज्योति हो, इसलिए ज्योति की सन्तान के समान चलो।"

जैसा कि बाइबल कहती है, संपूर्ण संसार शरीर और शैतान के अधीन हो गया है। बुद्धिमान और शिक्षित लोग भी सदाकाल तक जलने वाली आग की झील में जाते हैं, जिस प्रकार वे बच्चे जो नहीं जानते कि कौनसा हाथ दाहिना है कौन सा बांया।

परमेश्वर के लोगों का संपूर्ण हृदय से समर्पण ही एकमात्र मार्ग है

समस्त संसार को इस बड़े खतरे से छुड़ाने के बजाय, आज की कलीसिया अपने ही साम्राज्य के निर्माण पर ध्यान दे रही है। आज की कलीसियाओं का लक्ष्य है ऊंचे-ऊंचे मीनार बनाना, ज्यादा-से-ज्यादा धन इकट्ठा करना, दूसरी कलीसियाओं से अपनी कलीसियाओं में विश्वासियों को खींचने की कोशिश करना। क्या ऐसी बातें कलीसियाओं में देखना दुखदायक नहीं है जो न केवल इन बातों को महत्व देती है, बल्कि एक कलीसिया से उनकी कलीसियाओं में विश्वासियों को चुराने का और ऐसी ही संसारिक बातों का प्रशिक्षण देती हैं और योजना बनाती है। केवल कलीसिया लोगों को सहभागिता में इकट्ठा कर सकती है। परमेश्वर की प्रत्येक सन्तान को पश्चाताप करना चाहिए और राष्ट्रों को सुसमाचार सुनाने हेतु आगे आना चाहिए। "देश में ऐसा काम होता है जिस से चकित और रोमांचित होना चाहिये। भविष्यद्वक्ता झूठमूठ भविष्यद्वाणी करते हैं; और याजक उनके सहारे से प्रभुता करते हैं; मेरी प्रजा को यह भाता भी है, परंतु अन्त के समय तुम क्या करोगे?" (यिर्मयाह ५:३०,३१)।

"क्योंकि उनमें छोटे से लेकर बड़े तक सब के सब लालची हैं; और क्या भविष्यद्वक्ता क्या याजक सब के सब छल से काम करते हैं। वे, 'शान्ति है, शान्ति,' ऐसा कह कहकर मेरी प्रजा के घाव को ऊपर ही ऊपर चंगा करते हैं, परंतु शान्ति कुछ भी नहीं। यहोवा यों भी कहता है, सड़कों पर खड़े होकर देखो, और पूछो कि प्राचीनकाल का अच्छा मार्ग कौन सा है, उसी में चलो, और तुम अपने अपने मन में चैन पाओगे। पर उन्होंने कहा, हम उस पर न चलेंगे। (यिर्मयाह ६:१३,१४,१६)"।

परमेश्वर के प्रिय बच्चों, प्रभु का न्याय जल्द ही आने वाला है। वह डरावना होगा! खुद को उसके लिए तैयार करें! सावधान रहें! धोखा न खाएं। हमारा एकमात्र भोज जगत को सुसमाचार सुनाना होना चाहिए। हमारे राष्ट्र का प्रत्येक व्यक्ति यीशु मसीह के नाम की उपासना करे।

हे प्रभु, सुसमाचार का प्रचार करना मेरा एकमात्र भोज हो!
आपका नाम मेरे राष्ट्र में घोषित किया जाए!
यह आपके हृदय का वास्तविक भोज हो
केवल एक ही जीवन
वह जल्द ही बीत जाता है
आप परमेश्वर के लिए जो कुछ करते हैं
केवल वही अंत तक बना रहेगा!

हम आपके उत्तरों की अपेक्षा करते हैं। हम आपके लिए प्रार्थना करते हैं। कृपया हमारे लिए प्रार्थना करें।

यीशु मसीह में आपका सेवक
एस. सॅम सेल्वा राज

...पृष्ठ १ से आगे...

अर्थात, ख्रीष्ट विरोधी की योजना पवित्र शास्त्र में पहले ही प्रकट की गई है। पौलुस घोषणा करता है, "क्योंकि अधर्म का भेद अब भी कार्य करता जाता है, पर अभी एक रोकने वाला है, और जब तक वह दूर न हो जाए, वह रोके रहेगा" (२ थिस्सलुनीकियों २:७)। वह कह रहा है कि पाप का एक रहस्यमय स्वरूप, जो इस समय भी कार्यरत है, ख्रीष्ट विरोधी को लाएगा। स्पष्ट रूप से अधर्म का आत्मा खोई हुई मानवजाति पर आएगा, लोगों के हृदयों को ऐसे सामर्थ के साथ पकड़ेगा कि पाप का पुरुष जल्द ही सत्ता में आएगा।

फिर भी इस वाक्यांश का दूसरा अर्थ भी है, "अधर्म का भेद।" यह ग्रीक मूल अर्थ से आता है "खामोशी के साथ पहल।" पौलुस ख्रीष्ट विरोधी के सम्प्रदाय में गुप्त पहल के विषय में बोल रहा है - सूक्ष्म, दुष्टात्मा का प्रभाव जिसे उसने अपने समय में होते हुए देखा।

इस समय, यही रहस्यमय आत्मा पूर्ण भ्रांतिपूर्ण सामर्थ के साथ लोगों को पाप पुरुष

का स्वीकार करने के लिए तैयार कर रही है। हज़ारों लोगों के दिमाग को प्रतिदिन खामोशी के साथ और गुप्त में तैयार किया जा रहा है कि वे उसके गुट में शामिल हों। और यह शैतानी कार्य इतनी तेजी और कुशलता के साथ हो रहा है कि पाप का पुरुष जल्द ही मंच पर आएगा।

हमें प्रभु यीशु के वापस आने से पहले ख्रीष्ट विरोधी के कुछ भौतिक प्रकटीकरण को देखने की ज़रूरत नहीं है। उसका शैतानी आत्मा हज़ारों ऐसे विश्वासियों में प्रकट हो रहा है जिनका ज़बरन मन परिवर्तन किया गया है!

पौलुस अधर्म के रहस्य को पूर्ण रूप से समझाता है

पौलुस कहता है कि भेद मात्र यह है : शैतान बहुसंख्य लोगों को अधर्म की गहराइयों में भरमाकर ले जाएगा! जिस ग्रीक शब्द का उपयोग पौलुस इस अनुच्छेद में "अधर्म" के लिए करता है उसका अर्थ शब्दशः अराजकता या गड़बड़ी है। इसलिए, भेद या रहस्य अराजकता है - अर्थात, बहुसंख्य लोग बिना किसी नियम और कानून के या प्रतिबंध के काम करेंगे।

फिर भी, यह अराजकता मात्र मनुष्य के राज्य के विरोध में विद्रोह नहीं है। इसका सम्बंध दीवानी अधिकारियों के विरोध में विद्रोह करने से, या लूट-खसोट, बलात्कार या हत्या करने से नहीं है। ये बातें परमेश्वर का क्रोध भड़काती हैं। परंतु अधर्म या अराजकता का भेद और गहरा है। यह उस सत्य का प्रत्यक्ष त्याग है जो मसीह में है - परमेश्वर के पवित्र वचन और आज्ञाओं को हटाकर रख देना। यह पवित्र शास्त्र के प्रतिबंधों के विरोध में विद्रोह है!

अधर्म का आत्मा आज हमारे राष्ट्र में उच्छृंखल तौर पर काम कर रहा है। यह उस कानून के पीछे की वह शक्ति है जो हमारे समाज से परमेश्वर को हटाने की कोशिश करती है। यह वही आत्मा है जिसका उपयोग शैतान ने हव्वा को भरमाने के लिए किया था। उसने उसे कई शब्दों में कहा, "परमेश्वर सौम्य स्वभाव का है, वह तुम्हें आज्ञा का उल्लंघन करने के लिए दण्ड नहीं देगा। तुम फल खा सकते हो और अपनी वासना में लिप्त हो सकते हो। तुम्हें उसके लिए कोई कीमत चुकानी नहीं पड़ेगी!"

यह नर्क का घातक झूठ है। और शैतान इसी झूठ का उपयोग आज मसीहियों पर उसके अधर्म के भेद को आगे बढ़ाने के लिए कर रहा है। दिन-प्रतिदिन, वह बहुसंख्य विश्वासियों को यह यकीन दिला रहा है कि वे बिना किसी दण्ड को भुगते पाप में लिप्त हो सकते हैं। यह मसीह के अनुग्रह के सुसमाचार को बिगाड़ने की, उसके संदेश को स्वच्छंदता में बदलने की शैतान की साजिश है!

दुःख की बात यह है कि, कई गुनगुने मसीही इस अधर्म की आत्मा के वश में हो रहे हैं। कुछ लोगों ने पहले ही ख्रीष्ट विरोधी के सम्प्रदाय में कदम रखा है। वे पाप के पुरुष को, जब वह मंच पर आएगा, चमत्कार करेगा और समस्याओं को सुलझाएगा, स्वीकार करने के लिए तैयार हो चुके हैं।

आप सोच सकते हैं, मैं कभी ख्रीष्ट

...क्रमशः पृष्ठ ६...

एको ऑफ हिज़ कॉल

१६ भाषाओं में मासिक पत्रिकाएं, पत्राचार पाठ्यक्रम, कलीसिया रोपन, ग्रामीण अंग्रेज़ी हायस्कूल, सुसमाचार छापखाना, क्रूसेड, सेमिनार, समाज सेवा आदि।

वार्षिक शुल्कः रु. १००/- आजीवन शुल्कः रु. २,०००/-

एको ऑफ हिज़ कॉल की गतिविधियां आपके समान परमेश्वर के लोगों के स्वेच्छा दानों और भेंटों से पूरी की जाती हैं। आप परमेश्वर की अगुवाई के अनुसार **एको ऑफ हिज़ कॉल** और उसके सारे कार्यक्रमों को आर्थिक सहायता भेज सकते हैं। अनपहुंचे लोगों को सुसमाचार सुनाने हेतु और कलीसिया की स्थापना के लिए हमें आपकी सहायता की ज़रूरत है।

अगर आप **एको ऑफ हिज़ कॉल** मासिक पत्रिका नियमित रूप से प्राप्त करना चाहते हैं तो कृपया हमें लिख भेजें। जब कभी अपना पता या ई-मेल बदलें तो कृपया अपने पुराने एवं वर्तमान पते के बारे में अवश्य सूचना दें।

एको ऑफ हिज़ कॉल सेवकाई १६ भाषाओं की मासिक पत्रिका हमारे वेबसाइट पर भी उपलब्ध है। आप इस साइट पर जाकर और उसे डाऊनलोड करके उसे पढ़ सकते हैं और आशीष पा सकते हैं।

एको ऑफ हिज़ कॉल सेवकाई के लिए आपके पत्र, बिनती, प्रार्थना आर्थिक सहायता आदि (डी. डी. चेक, मनिऑर्डर आदि द्वारा) नीचे दिए गए पते पर भेज सकते हैं और आशीष पा सकते हैं।

कृपया अपना लैंड लाईन फोन/सेल फोन क्रमांक और ई-मेल पत्ता आवश्यक सुधार के लिए भेजें।

ECHO OF HIS CALL

10, Mohammed Abdullah 2nd Street, Chepauk, Chennai- 600 005, India.
Phone : (+ 91- 44) 2852 8282, 2852 9293, 2854 7766
Cell : (+ 91) 98410 71852, 90924 62566
Email : sam@echoofhiscall.org/biblecor@yahoo.co.in
Website : www.echoofhiscall.org/www.echoofhiscall.com

आप अपनी भेटों को ऑन-लाईन भी भेज सकते हैं।

The details of our Bank Accounts are given below. Please inform us the details of your remittances.

Bank	Branch	Name	IFSC Code No.	Account Number
1. STATE BANK OF INDIA	Triplicane, Chennai -5	S. Sam Selva Raj	SBIN 0000249	10232934679
2. ICICI BANK	Anna Salai, Chennai -2	Echo of His Call	ICIC 0006038	6038 05022319

महान आदेश के भागी

❋ भार उठना (गलातियों ६:२), ❋ सहायता करना (रोमियों १२:१३) और ❋ चमकाना (२ तीमुथियुस १:६)

प्रार्थना निवेदन

सितम्बर १६, २०१८ से अक्टूबर २०१८ तक

(कृपया इस पृष्ठ को फाड़िये, घड़ी कीजिए और उसे अपनी बाइबल में रखकर निरंतर प्रार्थना कीजिए।)

परमेश्वर कार्य कर रहा है! - स्तुति विषय

नोव्हेंबर १६ प्रभु हमारी अस्पताल सेवकाई में आश्चर्यकर्म करता है।

नोव्हेंबर २० : कई नई आत्माएं कलीसियाओं में हमारे मुख्य और शाखा कलीसियाओं में जोड़ी गई।

नोव्हेंबर २१ : प्रभु ने सन २०१६ के लिए **एको ऑफ हिज़ कॉल** कॅलेंडर प्रकाशित करने में हमारी सहायता की।

नोव्हेंबर २२ : हमारे **नहेम्याह बाइबल कॉलेजेस** के सभी प्राख्याताओं के लिए परमेश्वर की स्तुति करें।

नोव्हेंबर २३ : हमारे मुख्य गिरजाघर की पांच भाषाओं में संचालित सात सभाओं को परमेश्वर आशीष दे रहा है।

नोव्हेंबर २४ : परमेश्वर ने १६ भाषाओं में प्रकाशित हमारे सुसमाचार साहित्य को आशिषित किया जो हमारे छापखाने में छपकर मिशन क्षेत्रों में भेजे जा रहे हैं।

नोव्हेंबर २५ : हमारी सेंट पौल्स मॅट्रिक्यूलेशन स्कूल के प्राचार्य, अध्यापक और कर्मचारियों के लिये परमेश्वर की स्तुति करें।

नोव्हेंबर २६ : १६ भाषाओं में प्रकाशित होने वाले हमारे **एको ऑफ हिज़ कॉल** मासिक पत्रिका के पाठकों के लिये परमेश्वर की स्तुति करें।

नोव्हेंबर २७ : हमारी कलीसियाओं के प्राचीनों के लिये परमेश्वर की स्तुति करें।

नोव्हेंबर २८ : परमेश्वर हमारे मिशन क्षेत्रों में हमारी क्षेत्रीय कर्मचारियों की रक्षा कर रहा है।

नोव्हेंबर २६ : हमारे सारे समन्वयकों के लिये परमेश्वर की स्तुति करें।

नोव्हेंबर ३० : परमेश्वर हमारे वरीष्ठ पासबान एस. सॅम सिल्वा राज की सारी दुष्ट शक्तियों से रक्षा कर रहा है।

दिसंबर १ : परमेश्वर ने पिछले माह **एको ऑफ हिज़ कॉल सेवकाइयों** की सारी गतिविधियों को आशीषित किया।

दिसंबर २ : परमेश्वर ने इस वर्ष और साहित्य निर्माण में हमारी सहायता की।

दिसंबर ३ : परमेश्वर बहन जेस्सी वीणा सॅम के स्वास्थ्य में सुधार ला रहा है।

परमेश्वर कार्य कर रहा है प्रार्थना विषय

दिसंबर ४ : परमेश्वर इस माह **एको ऑफ हिज़ कॉल सेवकाइयों** की सारी आर्थिक ज़रूरतों को पूरा करे।

दिसंबर ५ : परमेश्वर लोगों के मन में उसके लिए भय उत्पन्न करे।

दिसंबर ६ : परमेश्वर कलीसियाओं से झूठी शिक्षा दूर करे।

दिसंबर ७ : परमेश्वर विश्व में भारी बेदारी लाए।

दिसंबर ८ : हम समस्त संसार की नाश होने वाली आत्माओं के उद्धार के लिए प्रार्थना करें।

दिसंबर ६ : हमारा प्रस्तावित नया प्रोजेक्ट, **प्रतिदिन का स्वर्गीय मन्ना** जल्द ही प्रकाशित हो। इसके लिए प्रार्थना करें।

दिसंबर १० : हमारे मूल बाइबल पत्राचार पाठ्यक्रम और ईश्वर विज्ञान पत्राचार पाठ्यक्रम के लिए प्रार्थना करें।

दिसंबर ११ : परमेश्वर के सेवकों की सुरक्षा के लिए प्रार्थना करें।

दिसंबर १२ : समस्त संसार की शांति के लिए प्रार्थना करें।

दिसंबर १३ : हमारे प्रार्थना, विश्वास, जीवन और महान आदेश सहभागियों और उनके परिवार के सदस्यों के लिए प्रार्थना करें।

दिसंबर १४ : परमेश्वर हमारी कलीसियाओं की सारी ज़रूरतों को पूरा करे।

दिसंबर १५ : हम विश्व के टेलीविजन प्रचारकों के लिए प्रार्थना करें।

दिसंबर १६ : परमेश्वर हमारी देहात की पाठशाला, सेंट पौल्स मॅट्रिक्यूलेशन स्कूल को आशीषित करे।

दिसंबर १७ : परमेश्वर हमारी सेवकाई टीम के सभी कार्यकर्ताओं की रक्षा करे।

दिसंबर १८ : परमेश्वर सभी बच्चों का आत्मिक और शारीरिक रीति से आशीष प्रदान करे।

...पृष्ठ ४ से आगे...

विरोधी का अनुसरण करने की मूर्खता नहीं करूंगा।" परंतु पौलुस कहता है कि ख्रीष्ट विरोधी सत्ता में आएगा क्योंकि लोग अपने ही पाप से अंधे होकर धोखा खाएंगे। "उस अधर्मी का आना शैतान के कार्य के अनुसार सब प्रकार की झूठी सामर्थ, और चिन्ह, और अद्भुत काम के साथ, और नाश होनेवालों के लिए अधर्म के सब प्रकार के धोखे के साथ होगा; क्योंकि उन्होंने सत्य के प्रेम को ग्रहण नहीं किया, जिससे उनका उद्धार होता" (२ थिस्सलुनीकियों २:९-१०)।

शैतान बहुसंख्य लोगों को सूक्ष्म परंतु ताकतवर झूठ का यकीन दिलाकर धोखा देगा। उसका झूठ क्या होगा? वह संसार को यकीन दिलाएगा जैसा उसने हव्वा को यकीन दिलाया : "परमेश्वर पाप का दण्ड नहीं देता।" पौलुस कहता है कि यह धोखा इन बातों के साथ आएगा "और नाश होनेवालों के लिए अधर्म के सब प्रकार के धोखे के साथ होगा; क्योंकि उन्होंने सत्य के प्रेम को ग्रहण नहीं किया, जिससे उनका उद्धार होता" (वचन १०)। उसमें वह और जोड़ता है, "परमेश्वर उनमें एक भटका देनेवाली सामर्थ को भेजेगा ताकि वे झूठ की प्रतीति करें" (वचन ११)।

प्रेरित कह रहा है, जो आज्ञा मानने से या परमेश्वर के वचन का आदर करने से इन्कार करते हैं वे बड़े धोखे में पड़ जाएंगे। पहले तो वे अपने पाप को नज़रअंदाज़ करेंगे। वे उसका समर्थन करेंगे। परंतु जल्द ही वे सक्रिय रूप से आसान अनुग्रह के संदेश को खोज निकालेंगे। वे ऐसे अनुग्रह को खोज निकालेंगे जो परमेश्वर की योजना से परे हैं। उसका अनुग्रह अधिकार की ओर ले जाता है। उसका अनुग्रह हमेशा पश्चाताप की ओर ले जाता है।"

संसारिक समय बड़े धोखे में है!

आज का संसार शैतानी झूठ की भरमानेवाली सामर्थ के अधीन है। फिर भी, मेरे कुछ कहने से पहले, कृपया यह जानें कि मैं यहां पर किसी प्रजातंत्रवादी या गणतंत्रवादी के रूप में नहीं बोल रहा हूं। मैं यहां पर जो कुछ कहता हूं उसका सम्बंध राजनीति से नहीं है - परंतु प्रत्येक बात का सम्बंध आत्मिक सत्य से है। तथ्य यह है कि, हमारे राष्ट्र के अगुवों ने परमेश्वर के वचन को पूरी तरह से हटाकर रखा है, और बाइबल के सत्य के लिए कोई आदर नहीं है। और अब प्रभु ने इस धोखे को हम पर आने दिया है! इस संसार पर आज छाया हुआ शैतानी झूठ झूठी शांति है। वह यह कल्पना है कि परिणामों का डर न रखते हुए हम चाहे जो कर सकते हैं। हमने पहले ही इस धोखे में एक रेखा पार कर ली है और अब न्याय अटल है।

पौलुस रोमियों १ में यह दैवीय न्याय प्रस्तुत करता है। वह उन लोगों के विषय में बोलता है जो एक समय बाइबल के सत्य को थामे हुए थे, परंतु बाद में उन्होंने अधर्म में सत्य को बनाए रखने का प्रयास किया। संक्षिप्त में, वे एक ही समय में परमेश्वर का वचन और उनकी वासना भी चाहते थे। इसलिए परमेश्वर ने उन्हें नीच बुद्धि के अधीन कर दिया। वे झूठ पर विश्वास करना चाहते थे - इसलिए उन पर एक गहरा ग्रहण छा गया!

अब यह प्रवृत्ति कलीसिया में भी आ चुकी है। बहुसंख्य मसीही आज मना किए गए व्हिडियो देखते हैं या इंटरनेट की अश्लीलता में लिप्त रहते हैं। एक समय उनका विवेक उन्हें सताता था। परंतु अब वे तर्क करते हैं, "हमारे सभी अगुवे उससे बच निकलते हैं। ऐसा हर कोई कर रहा है। मैं क्यों न करूं? वे दुष्टात्मा के भ्रम जाल में पड़े हुए हैं!

पौलुस चेतावनी देता है, "क्योंकि ऐसा समय आएगा कि लोग खरा उपदेश न सह सकेंगे, परंतु कानों की खुजली के कारण अपनी अभिलाषाओं के अनुसार अपने लिए बहुतेरे उपदेशक बटोर लेंगे; और अपने कान सत्य से फेरकर कथा-कहानियों पर लगाएंगे" (२ तीमुथियुस ४:३-४)।

पौलुस जिनके विषय में बोल रहा है वे ये धोखा खाए हुए लोग कौन हैं? ये धोखा खाए हुए मसीही हैं! उसने यह पत्र थिस्सलुनीकियों की कलीसिया को लिखा - नया जन्म पाए हुए विश्वासियों को लिखा! वह उन लोगों को संबोधित कर रहा था जो बाइबल की शिक्षा ले रहे थे और जिन्होंने परमेश्वर के सत्य को जाना था। फिर भी वे अपनी वासनाओं में पड़े हुए थे - और अब वे इस प्रयास में थे कि उनके पांखड़ उनके पाप में उन्हें सांत्वना दें!

जो विश्वासी धोखा खाने के बड़े खतरे में हैं, वे ऐसे लोग हैं जो आनन्द के साथ परमेश्वर का वचन सुनते हैं - परंतु उसका पालन नहीं करते!

पौलुस ने गलातियों को लिखा, "तुम तो भली भांति दौड़ रहे थे, अब किसने तुम्हें रोक दिया कि सत्य को न मानो?" (गलातियों ५:७)। "हे निर्बुद्धि गलतियो, किसने तुम्हें मोह लिया है? तुम्हारी तो मानो आंखों के सामने यीशु मसीह क्रूस पर दिखाया गया!" (३:१)। प्रेरित अपनी झुंड़ से पूछता है, "तुम्हें क्या हुआ? तुम्हारा इतना अच्छा चल रहा था। परंतु अब किसने तुम्हारी बुद्धि भ्रष्ट कर दी!"

संपूर्ण पवित्र शास्त्र में, परमेश्वर हमें एक स्पष्ट चित्र देता है कि उसके वचन का पालन करना कितना महत्वपूर्ण है। हम ऐसा एक उदाहरण राजा शाऊल के जीवन में देखते हैं। परमेश्वर ने शाऊल को शमूएल नबी द्वारा स्पष्ट, विशिष्ट आज्ञाएं दी थीं। उसने पौलुस को आज्ञा दी थी कि, "इसलिये अब तू जाकर अमालेकियों को मार, और जो कुछ उनका है उसे बिना कोमलता किए सत्यानाश कर, क्या पुरुष, क्या स्त्री, क्या बच्चा, क्या दूधपिउवा, क्या गाय-बैल, क्या भेड़-बकरी, क्या ऊंट, क्या गदहा, तक को मार डाल" (१ शमूएल १५:३)।

क्या पौलुस ने प्रभु की इस आज्ञा का पालन किया? पवित्र शास्त्र हमें बताता है, "तब शाऊल ने हवीला से लेकर शूर तक जो मिस्र के सामने है अमालेकियों को मारा। और उनके राजा अगाग को जीवित पकड़ा, और उसकी सब प्रजा को तलवार से सत्यानाश कर डाला। परंतु अगाग पर, और अच्छी से अच्छी भेड़ -बकरियों, गाय-बैलों, मोटे पशुओं, और मेम्नों, और जो

कुछ अच्छा था, उन पर शाऊल और उसकी प्रजा ने कोमलता की, और उन्हें सत्यानाश करना न चाहा; परंतु जो कुछ तुच्छ और निकम्मा था उसको उन्होंने सत्यानाश किया" (वचन ७-९)।

परमेश्वर ने अत्यंत स्पष्ट शब्दों में शाऊल को उसकी तलवार दी थी। फिर भी लड़ाई में जाने के बाद, शाऊल ने प्रभु की आज्ञा का आंशिक रूप से पालन किया। हर एक को और प्रत्येक को नाश करने के बजाय, उसने राजा अगाग को बचा लिया - और उसने युद्ध की थोड़ी लूट भी बचाकर रखी।

यह देखकर शमूएल दुःखी हो गया। उसने शाऊल से कहा, "जब तू अपनी दृष्टि में छोटा था, तब क्या तू इस्राएली गोत्रियों का प्रधान न हो गया? और क्या यहोवा ने इस्राएल पर राज्य करने को तेरा अभिषेक नहीं किया? और यहोवा ने तुझे यात्रा करने की आज्ञा दी, और कहा, जाकर उन पापी अमालेकियों को सत्यानाश कर, और जब तक वे मिट न जाएं, तब तक उनसे लड़ता रह। फिर तूने किसलिये यहोवा की वह बात टालकर लूट पर टूट के वह किया जो यहोवा की दृष्टि में बुरा है?" (वचन १७-१९)।

यहां, पवित्र शास्त्र हमें गंभीर, डरावना वचन देता है : "तब यहोवा का यह वचन शमूएल के पास पहुंचा, कि मैं शाऊल को राजा बनाकर पछताता हूं; क्योंकि उसने मेरे पीछे चलना छोड़ दिया, और मेरी आज्ञाओं का पालन नहीं किया..." (वचन १०-११)।

क्या यह आपके जीवन का वर्णन करता है? क्या परमेश्वर ने आपको अनिश्चित शब्दों में यह नहीं कहा कि आप आपके जीवन की कुछ वासनामय आदतों का सामना करें - फिर भी आप उससे लिपटे रहे, उसे त्यागने से आपने इन्कार किया?

इसी समय, उसका आत्मा आपसे प्रणय निवेदन के स्वर में बात कर रहा होगा, "तुम्हारी वासना हम दोनों के बीच में है, और हमारी संगति में बाधा ला रही है। मैं तुम्हें आशीष नहीं दे सकता क्योंकि आप उसमें बने हैं। मेरे आत्मा पर विश्वास करें कि वह आपकी सहायता करेगा। मेरे बच्चे, अब उसे छोड़ दो।" परंतु जल्द ही परमेश्वर आपके साथ क्रोध में यह कहते हुए बात कर सकता है, "यदि तुम अपनी वासना को नहीं त्यागेगें, तो मैं उसे उजागर करूंगा - वह तुम्हारे जीवन को बरबाद करेगी!"

परमेश्वर ने शाऊल को उसकी अनाज्ञाकारिता के लिए त्याग दिया। शमूएल ने शाऊल से कहा, "बलवा करना और भावी कहनेवालों से पूछना एक ही समान पाप है, और हठ करना मूरतों और गृहदेवताओं की पूजा के तुल्य है। तू ने जो यहोवा की बात को तुच्छ जाना, इसलिये उसने तुझे राजा होने के लिये तुच्छ जाना है" (वचन २३)।

उसी समय परमेश्वर का आत्मा शाऊल को छोड़ गया। राजा की अधूरी आज्ञाकारिता ने उसके जीवन में शैतान के प्रभाव के लिए द्वार खोल दिया। जल्द ही एक बुरा आत्मा शाऊल को परेशान करने लगा - और वह एक भूतविद्या में प्रविण स्त्री से सलाह मांगने लगा?

शायद शाऊल के जीवन का वर्णन पढ़ते हुए आप सोच रहे होंगे, "परंतु शाऊल ने उत्तम कोशिश की। और उसने इतना भी बुरा नहीं किया। परमेश्वर ने उसके साथ इतना कठोर व्यवहार क्यों किया? उसने शाऊल को क्षमा क्यों नहीं की?"

इस परिच्छेद के द्वारा परमेश्वर हमें बताता है कि जो वह कहता है उस विषय में वह गंभीर है! वह कहता है, "मैं तुम्हें दिखा रहा हूं कि मेरे प्रति तुम्हारी आज्ञाकारिता के विषय में मैं कैसे महसूस करता हूं। मुझे तुम्हारा संपूर्ण हृदय, तुम्हारा सारा प्रेम चाहिए - मात्र अधूरा आज्ञापालन नहीं!" अब यदि शाऊल को प्रभु का संदेश अस्पष्ट होता, तो हमारा यह कहना उचित होता कि उसे शाऊल को मौका देना था। परंतु पौलुस को उसका निर्देश स्पष्ट था, जो आज्ञा उसने दी थी उसमें कोई संदेह नहीं था। उसी तरह आज, परमेश्वर ने उनसे जो कुछ कहा है, उस विषय में हमें कोई संदेह नहीं है। हम जानते हैं कि उसकी आज्ञाएं क्या हैं, क्योंकि उसने अपने वचन के द्वारा और आत्मा के द्वारा उन्हें हमारे हृदयों में प्रकट किया है।

आप उत्तर दे सकते हैं, "परंतु परमेश्वर ने शाऊल के साथ जो कुछ किया वह पुरानी वाचा के अंतर्गत, व्यवस्था के अधीन हुआ। हम आज अनुग्रह के दिन में जीते हैं। अवश्य ही प्रभु हमारे अनाज्ञाकारी होने पर हमारे साथ वैसी कठोरता नहीं करेगा जैसी उसने शाऊल के साथ की।"

यहां पर नए नियम के अंतर्गत, अनुग्रह की वाचा के अंतर्गत इस विषय में परमेश्वर का वचन है। परमेश्वर प्रत्येक व्यक्ति के साथ उसके कार्य के अनुसार व्यवहार करेगा : "वह हर एक को उसके कामों के अनुसार बदला देगा। जो सुकर्म में स्थिर रहकर महिमा, और आदर और अमरता की खोज में है, उन्हें वह अनन्त जीवन देगा। पर जो विवादी हैं, और सत्य को नहीं मानते, वरन् अधर्म को मानते हैं, उन पर क्रोध और कोप पड़ेगा,और क्लेश और संकट हर एक मनुष्य के प्राण पर जो बुरा करता है आएगा, पहले यहूदी पर, फिर यूनानी पर। परंतु महिमा और आदर और कल्याण हर एक को मिलेगा जो भला करता है, पहले यहूदी को, फिर यूनानी को। क्योंकि

समाचार :

"बाहर निकलो...हम आपको जला देंगे"

अम्बाला, हरियाणा : यहां के उग्रवादियों ने एसेम्ब्लीज़ ऑफ गॉड के पासबान, अविन्शू कालरा पर आरोप लगाया है कि उन्होंने मूर्तियों को भ्रष्ट किया और लोगों का ज़बरन धर्मांतरण कर रहे हैं, इस कारण वे और उनका परिवार अपना घर छोड़कर जाने पर मज़बूर हैं। ११ जुलाई को दो सौ लोगों की एक भीड़ ने उनके घर और गिरजाघर के आवास में प्रवेश रोक दिया था और वे इस प्रकार की धमकियां दे रहे थे, "बाहर आओ, हम तुम्हें नहीं छोड़ेंगे, तुम्हें जला देंगे।" स्थानीय पुलिस ने जांच-पड़ताल की आज्ञा दी है। सौ सदस्यों की कलीसिया सन २०१४ में आरंभ हुई थी। १९ जुलाई को ३०० मसीहियों ने अम्बाला की सड़कों पर जुलूस निकालकर भीड़ के हमले का और भारत के अल्पसंख्यकों के जुल्म का निषेध किया। - एम एस एन

- Forerunner (oct 2018)

परमेश्वर किसी का पक्षपात नहीं करता" (रोमियों २:६-११)।

मैं आपको पुराने नियम के अंतर्गत शाऊल और नयी वाचा के अंतर्गत सभी विश्वासियों के बीच अंतर बताऊंगा : जब कभी व्यक्ति के पास सचमुच परमेश्वर की आज्ञाओं को मानने की इच्छा होती है - जब व्यक्ति परमेश्वर के वचन से प्रेम करता है और उसका आदर करता है - तब पवित्र आत्मा उन आज्ञाओं को पूरा करने की सारी सामर्थ और योग्यता उसे देता है। यह नई वाचा का अद्‌भुत प्रयोजन है।

शाऊल के पास उस प्रकार की पवित्र इच्छा नहीं थी। परंतु कोई भी विश्वासी जो सचमुच प्रभु से प्रेम करता है और उसका वचन सारी वासना को नष्ट करता है, वह उसमें वास करने वाले पवित्र आत्मा की सामर्थ से पाप की प्रभुता को नष्ट कर देता है।

पौलुस विश्वासी को चेतावनी का यह गंभीर शब्द देता है : "और हे मनुष्य, तू जो ऐसे ऐसे काम करनेवालों पर दोष लगाता है, और आप वे ही काम करता है, क्या यह समझता है कि तू परमेश्वर की दण्ड की आज्ञा से बच जाएगा?" (रोमियों २:३), वह कहता है, "क्या आप यह गवाही दे रहे हैं कि आप एक मसीही हैं जो हर एक को परमेश्वर की व्यवस्था का पालन करने कहते हैं - आप स्वयं व्यभिचार में जी रहे हैं?" "क्या तू उसकी कृपा, और सहनशीलता, और धीरजरूपी धन को तुच्छ जानता है? और क्या यह नहीं समझता कि परमेश्वर की कृपा तुझे मन फिराव सिखाती है?" (वचन ४)। पौलुस कहता है, "परमेश्वर ने तुम पर दया की है, तुम्हारे साथ दयापूर्ण और प्रेमपूर्ण बर्ताव किया। क्या आप यह नहीं समझते कि उसकी भलाई, दया और अनुग्रह आपको पश्चाताप की ओर लाने के लिए हैं?

इस संदेश का मुद्‌दा क्या है?

सब बातों के ऊपर मैं आपसे यह कहना चाहता हूं : समस्त इतिहास में सबसे महान सम्पन्नता प्रचारक के रूप में खीष्ट विरोधी मंच पर आएगा। और शैतान पहले ही अधूरे विश्वासियों को अपने सम्प्रदाय में शामिल कर रहा है। और जल्द ही हमारे समाज पर और प्रतिबंध न होगा, और मसीही लोग दुष्टात्माओं के बहकावे के लिए अधिक संवेदनशील होंगे।

हिटलर के दिनों में ऐसा कई मसीहियों के साथ हुआ। जब हिटलर, चमत्कारी व्यक्तित्व और उत्तम जीवन की प्रतिज्ञाओं के साथ सत्ता में आया, तब गुनगुने पेन्टिकॉस्टल और लुथरन लोगों ने भी उसे स्वीकार कर लिया। और बाद में जब वह समाज के साथ बुरा करने लगा, तब वे दूसरी दिशा में देखने लगे, उन्होने परमेश्वर के वचन के सत्य को त्याग दिया। अर्थात, सुसमाचार के लिए कुछ सामर्थी स्वर उन कलीसियाओं में गूंज उठे। परंतु बड़ी संख्या में विश्वासी हिटलर का अनुसरण कर रहे थे और यह पुकारते हुए उसकी प्रशंसा कर रहे थे, "हिटलर का स्वागत है!" उन्होंने झूठ मोल लिया - और परमेश्वर ने उन्हें बड़े भ्रम में डाल दिया!

मैं आपसे पूछता हूं : क्या आप ऐसे मज़बूत प्रचार को सुनते बैठे हैं जो प्रेम के साथ आपके बेटे की काली करतूतों का पर्दाफाश कर रहा है? यदि ऐसा है, तो क्या आप वचन को अनुमति देते हैं कि वह आपको कायल करे? या आप बिना दुख मनाए वापस अपनी वासना की ओर मुड़ जाते हैं?

यदि आप रोकने वाले पवित्र आत्मा की चेतावनियों का इन्कार करते हैं - यदि आप समय-समय पर परमेश्वर की आज्ञाओं का उल्लंघन कर रहे हैं, और इसके लिए आपको कोई दुःख नहीं तब तो आप खीष्ट विरोधी के सम्प्रदाय के लिए नियुक्त किए गए हैं। शैतान बड़े शांतिपूर्वक आपको उसके अधर्म के भेद में धीरे से ले जा रहा है। और जब प्रतिज्ञा करने वाला, चमत्कार करने वाला खीष्ट विरोधी आता है तब आप उसके झूठ में फंस जाएंगे और भ्रम में पड़ जाएंगे।

ध्यान दें कि पौलुस समझौता करने वाले विश्वासियों के विषय में क्या कहता है जो परमेश्वर के पवित्र वचन से प्रेम करने से और उसकी आज्ञा मानने से इन्कार करते हैं : "और जितने लोग सत्य की प्रतीति नहीं करते, वरन् अधर्म से प्रसन्न होते हैं, सब दण्ड पाएं" (२ थिस्सलुनीकियों २:१२)। उन लोगों को धिक्कार जो उनकी वासनाओं के विषय में सत्य जानते हैं, परंतु जो विश्वास नहीं करते की परमेश्वर उनका न्याय करेगा!

यहां पर परमेश्वर के सत्य पर विश्वास न करने के और उनके अनुसार न चलने के कुछ अनिष्टकारी परिणाम दिए गए हैं :

१. पाप के धोखे से हृदय कठोर हो जाता है।

२. शैतान खुद का समर्थन करने हेतु कठोर हृदय पर काम करता है, ताकि वह दण्ड के सारे भय से राहत पाए।

३. जब परमेश्वर देखता है कि इस बात की कोई संभावना नहीं है कि यह हृदय सत्य पर विश्वास करेगा और उसका पालन करेगा, तब वह उस व्यक्ति को शैतान के भ्रम में डाल देता है।

४. विश्वासी उस झूठ से अंधा हो जाता है जो कहता है कि पाप की कोई मज़दूरी नहीं है और न्याय का दिन नहीं है, और वह वासनामय सुखविलास के साथ बच सकता है।

५. विश्वासी शैतान का शिकार बन जाता है, यह सोचते हुए कि बुराई अच्छी है और अच्छाई बुरी है।

६. अंततः वह मसीह से और सत्य से इतना दूर हो जाता है कि वह खीष्ट विरोधी के सामने अंधा हो जाता है और देवता के रूप में उसकी उपासना और सेवा करने लगता है।

७. न्याय के दिन, परमेश्वर ऐसे व्यक्ति से कहेगा, "हे अधर्म करने वालो, मुझसे दूर हो जाओ!"

प्रियो, हमारे साथ ऐसा नहीं होना चाहिए। परमेश्वर ने हमसे सारे भ्रम को दूर करने और मसीह की क्रूस के सामर्थ से पाप पर हमें विजय देने के लिए वाचा की प्रतिज्ञा की है। वह केवल हमसे यह मांगता है कि हम अपने पाप के विरोध में यह कहते हुए युद्ध की घोषणा करें, "मैं इस आदत के साथ मेल नही करूंगा। मैं उसमें बने रहने से इन्कार करता हूं। हे पिता, आपके आत्मा से मुझे छुड़ाईए!" जब वह इन प्रार्थनाओं को सुनेगा, तब वह स्वर्ग से पवित्र आत्मा की ऐसी सामर्थ और महिमा भेजेगा कि शैतान टिक नहीं पाएगा!

इसी समय प्रार्थना करें कि परमेश्वर आपके मन में उसके वचन के लिए बड़ा भय डाले। उससे बिनती करें कि पवित्र शास्त्र के वाचन में अनुशासित होने में वह आपकी सहायता करे। और आत्मा से बिनती करें कि जो कुछ भी आपने पढ़ा है उसे हृदय में ग्रहण करने में वह आपकी सहायता करे - यह विश्वास करने हेतु कि जो कुछ परमेश्वर कहता है उसके प्रति वह गंभीर है!

- रेव्ह. डेविड विल्करसन

खाई से महल तक

(पास्टर एस. सॅम सेल्वा राज के जीवन अनुभव)

"जो कोई बुध्दिमान हो, वह इन बातों पर ध्यान करेगा..." भजनसंहिता १०७:४३अ

"यहोवा की आंखें धर्मियों पर लगी रहती हैं, और उसके कान भी उनकी दोहाई की ओर लगे रहते हैं" (भजनसंहिता ३४:१५)

आज सुबह की मेरी प्रार्थना के दौरान, प्रभु मुझे मेरी सेवकाई के प्रारंभिक दिनों में ले गया। उसने मुझे स्पष्ट रूप से दिखाया कि उसने कितने सिद्ध रूप से उस समय मेरी अगुवाई की।

परमेश्वर के सिद्ध मार्गदर्शन को समझाने के लिए मेरे एक मित्र, पी. शिवप्रकाशम् द्वारा लिखित एक पत्र मैं आपके लिए प्रकाशित करता हूं :

प्रिय प्रेमी भाई सॅम सेल्वाराज,

काफी समय से मैं आपकी गतिविधियों के विषय में आपको लिखने की इच्छा रख रहा हूं। जबकि आप आपकी सेवकाई और "एको ऑफ हिज़ कॉल" मासिक का स्वर्ण महोत्सव मना रहे हैं, मैं इसे आपकी सेवकाई के विषय में मेरे हृदय के विचारों को प्रतिध्वनित करने का अवसर समझता हूं।

सबसे पहले, मैं 'एको ऑफ हिज़ कॉल' मासिक के संस्थापक और मुख्य संपादक के रूप में आपका अभिवादन करता हूं। आपने विभिन्न कठिनाइयों और चुनौतियों पर जय प्राप्त की और सफलतापूर्वक स्वर्ण महोत्सव के वर्ष २०१६ में प्रवेश कर रहे हैं। मैं सभी प्रशासकों, और कार्यकर्ताओं का मेरे हृदय की गहराई से अभिवादन करता हूं जिन्होंने बहुत परिश्रम किया।

भले ही आपका जन्म कन्याकुमारी जिले के एक छोटे से गांव में हुआ और आपने प्रभु की सेवकाई में पिछले पचास वर्षों के दौरान विभिन्न कठिनाइयों, बाधाओं, उपहासों पर जय प्राप्त की। धीरज के साथ आपने उन सारी मुश्किलों को पीछे कर दिया और कोई भी इस बात का इन्कार नही कर सकता कि आप उचित ही प्रतिफल का आनंद उठा रहे हैं। मैं मुड़कर पिछले दिनों को देखना चाहता हूं जब हम सरकारी दफ्तर में एक साथ काम करते थे। यह देखना आश्चर्य की बात है कि तब से चालीस वर्ष बीत गए हैं। 'एको ऑफ हिज़ कॉल' में 'खाई से महल तक' नामक आपके लेखों में आप अपने मधुर एवं कड़वाहट से भरे सारे अनुभवों को प्रकाशित करते रहे हैं। ये अनुभव सच्चे थे और उन्होंने आपके जीवन में बहुत योगदान दिया है।

मै यह देखकर आनंद से अभिभूत हूं कि आपके अथक परिश्रम, आवेश, दृढ़ संकल्प और अटूट विश्वास आपको बहुत ऊंचाइयों तक ले गए हैं।

आपने किसी के साथ स्पर्धा नहीं की और न ही तेजी से दौड़े; किसी ने आपको यह दौड़ दौड़ने के लिए धक्का नहीं दिया आपने सुरक्षित रीति से आरभ किया। मैं अच्छी तरह से जानता हूं कि इस संस्था को दृढ़तापूर्वक स्थापित करने के लिए, आप चारों दिशा में दौड़े, आपने कई प्रकार की बाधाओं, अच्छेपन और शत्रुता को तोड़ा, निराशाओं विश्वासघात और दोष आदि का सामना किया। अंत में आप इस विजयी लक्ष्य तक पहुंच गए हैं। मैंने जाना है कि यद्यपि हमें दूसरों से बहुत सलाह मिलती हैं, फिर भी हमारे अपने निर्णय उत्तम होते हैं। आपके स्पष्ट मन से लिए गए निर्णयों को देखकर मैं इस सत्य को समझ गया। आपकी नीति है, 'आज का काम आज ही पूरा करें और कल की योजना आज ही बना लें।' यह नीति साबित करती है कि आप कौन है! मैंने यह देखा है कि आप ऐसे व्यक्ति हैं जो सौम्य और आदरपूर्ण व्यक्तियों के साथ सौम्य और आदरपूर्ण बन रहते हैं। आप उन लोगों के लिए सख्त हैं जो उनके व्यवहार में सख्त हैं। ये सारे विशेष गुण साबित करते हैं कि आप सच्चे नेतृत्व गुणों से परिपूर्ण महान प्रशासक है।

जब हम सरकारी सेवा में थे, तब कई उच्च अधिकारियों ने और सामान्य कर्मचारियों ने आपके प्रति दया दिखाई। आप विभिन्न परिस्थितियों में उनके लिए बड़े सहायक सिद्ध हुए। आपने मुझे कई बार बताया है कि उनमें से कइयों ने आपको उस समय बड़ा सहारा दिया जब आप भयंकर समस्याओं का सामना कर रहे थे और कई रुकावटों को तोड़ने में उन्होंने आपकी सहायता की। उनके प्रति आपकी कृतज्ञता प्रकट करती है और आपके आभारी हृदय और उदारता को प्रकट करती है। सरकार ने भी आपको विशेष अनुमति के साथ सम्मानित किया है।

मैं आपकी प्रार्थना सभाओं को, विभिन्न सेवकाइयों को देखता हूं जिनके द्वारा कई लोगों ने उनकी समस्याओं और रोगों से छुटकारा पाया, कइयों की अपेक्षाएं पूरी हो जाती हैं। समाज के अत्यंत निचले स्तर के लोगों ने आपकी सेवकाई के द्वारा बड़ा लाभ पाया है। आप उनकी शैक्षिक और चिकित्सीय ज़रूरतों को पूरा करते हैं और उन्हें ऊंचा उठाते हैं। आपकी सेवकाई की ये सारी गतिविधियां मुझे ऐसी लगती हैं कि ये सब आपकी भक्तिमानता का परिणाम है जो आपके हृदय में गहराई से बसी है। यदि चेन्नई में आपके प्रारंभिक वर्षों ने आपको राजनीति में दिलचस्पी दिलाई होती, तो आप किसी बड़े राजनीतिक पक्ष के नेता बनते। परंतु आपको प्रभु परमेश्वर ने बुलाया और आपने उसके द्वारा आशीष पाई, अतः आप मज़बूती से आत्मिकता में दृढ़ हैं। आत्मिकता परमेश्वर की इच्छा है। आप दृढ़तापूर्वक विश्वास करते हैं कि आत्मिक सामर्थ महिमामय होती है, अतः यह विश्वास आपकी प्रेरक शक्ति रही है। आपके अंदर छिपे आत्मिक सामर्थ के बल से, आपके भविष्य के लक्ष्य के विषय में आपके विचार और इच्छाएं आपके सारे उपक्रमों को सफलता प्रदान करते हैं। आपकी जीवनशैली को देखकर मैंने यह सत्य समझ लिया।

प्रभु परमेश्वर ने आपको अनाकलनीय बुद्धि और बल दिया है। जब आप विभिन्न प्रकार के दुःखों से होकर जाते हैं, तब स्वयं प्रभु आपके सामने आकर आपको छुड़ाता है। प्रभु ने आपको परिवार के ऐसे सदस्य भी दिए हैं जो परिपक्व हृदय के साथ सारी व्यक्तिगत विपत्तियों को जिनमें से आप गुजरे हैं, स्वीकार करते हैं। कोईं भी इस बात का इन्कार नहीं कर सकता कि प्रभु ने आपको सुयोग्य प्रशासक और कार्यकर्ता दिए हैं, इसलिए आपकी सेवकाई, प्रकाशन, बाइबल कॉलेजेस और स्कूल में कोई खतरे नहीं देखे जाते।

RNI NO. 63656/95, Postal Regn. No. TN/CH/(C)/202/18-20 WPP NO. TN/PMG(CCR)/WPP-222/18-20

इस समय, जब हम 'एको ऑफ हिज़ कॉल' का स्वर्ण महोत्सव मना रहे हैं, तो मैं आपके शुभचितकों के रूप में हमारे साथ सहभागी सभी प्रियजनों को याद करना चाहता हूं। हमारे आस्ट्रेलियन मित्र हेडन हटन और डॉक्टर बी. जे. कृष्णमूर्ति जिन्होंने मेरे विवाह में हिस्सा लिया और हमारा अभिवादन किया था। मैं उस घटना को भूल नहीं सकता। इसके अलावा, हमारे कई मित्रों की मित्रता स्मरण कर मुझे खुशी होती है जिन्होंने हमारी सरकारी के सेवा के समय में हमारे साथ काम किया। जैसे सी. मुथ्थू, डी. के. एलूशा, रहमान, बाशा, बालकृष्णन, मुनूसामी, गजेन्द्रन, जैनुल्ला बुद्दिन, परनथमन, राममूर्ति, थंगावेलू, मिसेस पल्वान्ना, मिसेस टी. वी. सावित्री, मिसेस जयकुमारी, मिसेस.राजेश्वरी, मिसेस कृष्णावेणी, मिसेस रमीसा बीवी, और आपकी प्रारंभिक सेवकाई के दौरान जो आपके सहकर्मी रहे, डी. डब्लू. देवकंदन, जे आर सौंधराज, आर. ई. जयराज, जयकुमार महाराज, जी. जे. पॉलमणि, डी. रीचर्ड थंबी राज, एन. शामसुंदर और एम. पॉलराज।

आपके लिए बिना विश्राम किए शीघ्रता के साथ काम करना स्वाभाविक है। परंतु मेरी नम्र विनती है कि आप अपने काम की गति कम करें और आपकी पारिवारिक परिस्थितियों और व्यक्तिगत स्वास्थ्य के कारण शांति के साथ काम करें।

'उत्तम लोगों की मित्रता मधुर होती है,' यह कहावत है। मेरी एक ही प्रार्थना है कि हमारी मित्रता का सेतु हमेशा मज़बूत खड़ा रहे।

मै आपकी मासिक पत्रिका 'एको ऑफ हिज़ कॉल' को यह शुभकामना देता हूं कि वह निरंतर प्रकाशित होती रहे। आपकी आत्मकथा प्रकाशित करने का प्रयास भी सफल है।

हमेशा के लिए आपका मित्र — पी. शिवप्रकाशम

१७.९.२०१८ — चेन्नई १६

प्रिय पाठकों इस लम्बे संदेश को धीरज के साथ पढ़ने के लिए धन्यवाद। सारा आदर और महिमा प्रभु यीशु को मिले। **"अब सनातन राजा अर्थात् अविनाशी अनदेखे अद्वैत परमेश्वर का आदर और महिमा युगानुयुग होती रहे, आमीन"** (१ तीमुथियुस १:१७)।

– एस. सॅम सेल्वाराज

कृपया हमारे मुख्यालय में हो रहे सेवाकार्यों के लिए प्रार्थना करें!

१. प्रार्थना सेवा	: २४ घंटे
२. **बाइबलकोर** - बाइबल पत्राचार पाठ्यक्रम : अंग्रेजी, तमिल, हिन्दी	
३. **बुलावे की प्रतिध्वनि (एको ऑफ हिज़ कॉल)** - मासिक पत्रिका अंग्रेजी, तमिल, मलयालम, तेलुगू, हिन्दी, कन्नड, मराठी, गुजराती, बगाली, उड़िया, नेपाली, आसामी, पंजाबी, उर्दू, सिन्हाला, अफ्रीकान	
४. नहेम्याह बाइबल कॉलेज (दो केन्द्र)	
५. थियोलॉजिकल प्रशिक्षण कोर्स - अंग्रेजी एंवतमिल	
६. ग्रेट कमिशन पार्टनर्स	
७. प्रशिक्षण कार्यक्रम	
८. फिल्म सेवा और सुसमाचार सभाएं	
९. साहित्य वितरण और फॉलो-अप	
१०. सुसमाचार साहित्य मुद्रणालय	-प्रकाशन
११. सेंट पॉल्स मैट्रिक्युलेशन स्कूल	- विलेज इंग्लीश स्कूल
१२. सण्डेस्कूल	रविवार प्रातः ८.३० बजे
१३. तमिल आराधना	**रविवार प्रात ५.०० बजे - ७.०० बजे १०.००बजे**
१४. तेलुगू आराधना	**रविवार सायं ४.०० बजे**
१५. हिन्दी आराधना	**रविवार सायं ५.०० बजे**
१६. मलयालम आराधना	**रविवार सायं ५.०० बजे**
१७. अंग्रेजी तथा तमिल आराधना	**रविवार सायं ६.०० बजे**
१८. लघुपत्रिकाओं का वितरण	रविवार दोपहर २.३० बजे
१९. पादरियों द्वारा सलाह मशवरा	रविवार सायं ४.०० बजे
२०. महिलाओं की प्रार्थना सभा	बुधवार सायं ५.३० बजे
२१. सप्ताह के मध्य बाइबल अध्ययन	बुधवार सायं ६.३० बजे
२२. पुरुषों की प्रार्थना सभा	शुक्रवार सायं ६.३० बजे
२३. शनिवार के दिन की आराधना	शनिवार सायं ५.०० बजे
२४. कर्मचारियों की सभा	शनिवार सायं ६.०० बजे
२५. गृह सभाएँ	मंगल.गुरु सायं ६.३० बजे
२६. विशेष पवित्र सहभागिता-प्रभुभोज	प्रतिमाह के १ ला दिवस पर प्रातः ५.३० बजे
२७. कर्मचारी समीक्षा सभा	प्रथम शनिवार सायं ५.३० बजे
२८. पालकों की प्रार्थना सभा	प्रथम रविवार सायं ४.०० बजे
२९. रात्रकालिन प्रार्थना	द्वितीय शुक्रवार रात ९.३० बजे
३०. उपवास के साथ प्रार्थना	प्रथम शनिवार सायं ९.३० बजे
३१. पवित्र प्रभुभोज	द्वितीय रविवार की उपासनाएँ
३२. प्रातःकालीन आराधना	प्रतिदिन प्रातः ५.०० बजे
३३. कर्मचारी वर्ग द्वारा प्रार्थना आराधना	प्रतिदिन प्रातः ९.०० बजे
३४. कार्यालय	प्रातः ९.०० बजे से सायं ९.०० बजे (रविवार छोड़कर)

RNI NO. 63656/95
Postal Regn. No. TN/CH/(C)/202/18-20
WPP NO. TN/PMG(CCR) / WPP- 222/18-20
Date of Publication: Second week of every month
Date of Posting : 8th & 9th of every month
Posted at "Egmore RMS / 1 Patrika Channel"
on 9th NOVEMBER 2018
If un-delivered please return to:
ECHO OF HIS CALL (HINDI)
P.O. Box No. 2957,
Chepauk, Chennai - 600 005, INDIA.
Phone: (+ 91- 44) 2852 8282, 2852 9293, 2854 7766

JESUS LOVES YOU!

To

GOD BLESS YOU!

Owned and published by **S. Sam Selva Raj** from 18, Mohammed Abdullah Sahib Street, Chepauk, Chennai-600 005 and printed by him at **Echo of His Call Printers** 18, Mohammed Abdullah Sahib Street, Chepauk, Chennai-600 005. Editor: **S. Sam Selva Raj.**